Post Reg. No. : Jaipurcity/412/2016-18
RNI No. RAJBIL/2003/13325

www.biyanitimes.com

बियानी टाइम्स
BIYANI TIMES
JAIPUR

...जो देता है पॉजिटीविटी, एनर्जी एंड अपडेट

वर्ष 13 अंक 5 मासिक हिन्दी/अंग्रेजी कुल पृष्ठ 8 15 जून - 15 जुलाई, 2016 मूल्य ₹ 5

बी. एल. चतरा के साथ एक मुलाकात पृष्ठ 5 पर...

ऐसी आय का क्या फायदा जो लाखों घरों व करोड़ों व्यक्तियों को मानसिक आर्थिक व शारीरिक कष्ट पहुंचाकर प्राप्त हुई है ?

सम्पादक की कलम से...

इन दिनों कुछ आश्चर्यजनक तथ्य सामने आये जिनसे यह पता चला कि हमारे समीपवर्ती राज्य पंजाब में लगभग 90 प्रतिशत युवा नशे की चपेट में हैं और लगभग 8.5 लाख लोग ड्रग्स एडिक्ट हैं। इसी तरह की स्थिति पंजाब और हरियाणा से जुड़े राजस्थान के सीमावर्त्ती जिलों की है। 125 करोड़ से अधिक आबादी वाले हमारे देश की मुख्य ताकत युवा शक्ति ही तो है और ये शक्ति यदि ड्रग्स और नशे से ग्रसित हो जायेगी तो भविष्य किस प्रकार से उज्जवल रह सकेगा। इस स्थिति के बारे में जब गौर किया गया तो यह तीन कारण दृष्टिगोचर हुए। **प्रथम** तो हमारी शिक्षा प्रणाली ही है जो व्यक्तित्व विकास व स्किल डवलपमेंट पर केन्द्रित ना होकर पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली पर ही आधारित है। शिक्षा प्रणाली के तहत युवाओं को जो जानकारी प्राप्त होती है वह उनके व्यवहारिक जीवन में ना तो खुशियां लाती है, ना ही उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। इस कारण विद्यार्थियों को अपना भविष्य उज्जवल प्रतीत नहीं होता और उसे शिक्षा उज्जवल भविष्य दिखाने वाली प्रतीत नहीं होती है।

दूसरा कारण वह स्वयं व उसे मिलने वाली पेरेंटिंग है। आज भी अधिकतर युवाओं की समस्या जीवन में निर्धारित लक्ष्य का ना होना ही है। हम सब एक ऊर्जा ही तो है और भौतिक विज्ञान के अनुसार हमारी ऊर्जा का रूपांतरण होता है। जब जीवन में कोई निर्धारित लक्ष्य ही नहीं होंगे, तो ऊर्जा का रूपांतरण लक्ष्यविहीन उद्देश्य जैसे नशे व ड्रग्स की ओर उन्मुक्त होगा। आज हमारे स्कूल व कॉलेज में काउन्सलर उपलब्ध नहीं हैं जो उनके अनुकूल सवालों का जवाब दे सकें, उनका मार्गदर्शन कर सकें।

तीसरा कारण राज्य सरकारों का नशे की आय से प्राप्त राजस्व का लोभ है। राजस्थान सरकार की आबकारी नीति 2015-16 में शराब से सरकार को 6,130 करोड़ रूपये की आमदनी होने का अनुमान है, वहीं साल 2016-17 में सरकार ने शराब से 7,000 करोड़ से भी ज्यादा आमदनी का लक्ष्य रखा है। हमे यह सोचना होगा कि यह राजस्व हमें लाखों घरों व करोड़ों व्यक्तियों को मानसिक, आर्थिक व शारीरिक कष्ट पहुंचाकर प्राप्त हुआ है। अगर ऐसे राजस्व से सड़के व पुल बना भी लिये जाये तो इनका जन सामान्य को क्या फायदा? इस बार बिहार में नीतिश सरकार द्वारा अप्रैल माह से पूर्ण शराबबंदी की घोषणा कर एक सही शुरूआत की गई है। आंकडों की मानें तो इस घोषणा के बाद बिहार में गांव - गांव में शांति है। गाली-गलौच ओर मारपीट का माहौल बदल गया है। पूरे देश में शराबबंदी लागू कर दी जाये तो निश्चित रूप से 50 फीसदी सड़क दुर्घटनाएं व अपराध अपने आप कम हो जायेंगे। शराबबंदी का दूसरे राज्यों पर भी प्रभाव पड़ा है। झारखण्ड, यूपी, महाराष्ट्र व राजस्थान राज्य की महिलाएं भी इसकी मांग कर रही हैं। बिना शराबबंदी के **बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ** की अवधारणा भी पूर्ण नहीं है। इस प्रकार जब हमारी शिक्षा प्रणाली व्यवहारिक ज्ञान से परे हो तथा हमारी पेरेंटिंग बच्चों को निश्चित उद्देश्य व लक्ष्य प्रदान करने में सक्षम ना हो, ऐसी दशा में गली-गली में खुली हुई शराब की दुकानें व ड्रग्स से हमारे युवा कैसे बच सकते हैं ? दूसरी ओर हम देखते है कि जो युवा ड्रग्स और नशे से दूर हैं वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के कारण मानसिक तनाव और हीन भावना से ग्रस्त हैं। आये दिन आत्महत्या की जानकारी हमें प्राप्त होती रहती है। इस बारे में यह बताना चाहेंगे कि देश के 7 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में पूर्ण शराबबंदी का फैसला लेकर बहुत अच्छी पहल की जा चुकी है। जरूरत इस बात की है कि हमें जल्द ही पूर्ण शराबबंदी का फैसला लेना चाहिए। यदि शिक्षा प्रणाली को स्किल डवलपमेंट व व्यक्तित्व निर्माण से जोड़ा जाये व पूर्ण शराबबंदी घोषित कर दी जाए तो हमारे प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति - युवा शक्ति को चैनलाइज कर प्रदेश में खुशहाली प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, प्रदेश में समय-समय पर शराबबंदी के मुद्दे पर सड़क से लकर विधानसभा तक संग्राम चला हैं। चौंकानें वाली बात तो यह है कि पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक गुरूशरण छाबड़ा को अपनी जान तक गंवानी पड़ गई। राज्य सरकार की ओर से कुछ समय पूर्व तम्बाकू पर प्रतिबंध लगाकर जो पहल की गई थी, उसके सुखद परिणाम हम सभी को देखने को मिले हैं।

19 जून को फादर्स डे के अवसर पर मैं सभी पाठको को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। पिता हमारे जीवन में ज्ञान व विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर यदि हम उन्हें हृदय से धन्यवाद देते हैं, तो हमारा ज्ञान व विश्वास परिपक्व होता है।

आशा है फिर मिलेंगे प्रेम, स्नेह, सम्मान के साथ

संजय

प्रो. संजय बियानी

www.sanjaybiyani.com

पांच दिन, पांच देश और पांच खास बातें...

मोदी का विदेश दौरा

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच देशों की यात्रा संपन्न की। उनके इस दौरे में उनका पहला पड़ाव अफगानिस्तान था। इसी दौरे में उनके कार्यकाल की चौथी अमेरिका यात्रा भी शामिल थी। पीएम मोदी इस दौरे में स्विजरलैंड और मैक्सिको भी गए।

पहली खास बात

अपने पहले पड़ाव में अफगानिस्तान में मोदी को वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान आमिर अमानुल्लाह खान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हेरात मे ऐतिहासिक अफगान-भारत मैत्री बांध के उद्घाटन के बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी ने मोदी को इस सम्मान से नवाजा।आमिर अमानुल्लाह खान पदक अफगानिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले मोदी पहले भारतीय है।

दूसरी खास बात

अफगानिस्तान से मोदी कतर गए जहां उन्होने कई बिजनेस लीडर्स से मुलाकात की, कतर भारत के लिए उभरता पर्यटन केन्द्र है जहां से वर्ष 2015 में करीब 6,300 टूरिस्ट्स भारत आए थे।

तीसरी खास बात

इसके बाद मोदी अपने एक दिन के दौरे पर स्विटजरलैंड रवाना हो गए। जहां उन्होने स्विस प्रेसिडेंट जोहानन स्नाइडर-अम्मान के साथ मुलाकात की और दोनों के बीच द्विपक्षीय मुद्दो के अलावा क्षेत्रीय व दूसरे अहम मुद्दो पर चर्चा की।

चौथी खास बात

पीएम मोदी स्विटजरलैंड से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन पहुंचे। जहां उन्होने अमेरिकी कांग्रेस के ज्वाइंट सेशन को एड्रेस किया। पीएम मोदी छठें भारतीय पीएम है जिन्हें इस सदन को संबोधित करने का मौका मिला। यह किसी भी विदेशी नेता के लिए सम्मान की बात है। पीएम मोदी की 48 मिनट की स्पीच के दौरान 66 बार तालियां बजी और 8 बार उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया। ओबामा प्रशासन ने मोदी की अमेरिका यात्रा को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए भारत-अमेरिका संबंधों पर उनके दष्टिकोण को 'मोदी-सिद्धांत' का नाम दिया। अमेरिका ने कहा कि इस सिद्धांत ने 'इतिहास की हिचकिचाहट' को दूर किया है और यह संबंध विश्व कल्याण के लिए काम कर रहा है।

पांचवी खास बात

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशो के दौरे के अंतिम चरण में मैक्सिको पहुंचे, जहां पर उन्होंने मैक्सिको के राष्ट्रपति एनरिके पेना निएतो से मुलाकात की । पीएम मोदी और राष्ट्रपति निएतो के बीच 2 वर्षो में यह तीसरी मुलाकात थी। राष्ट्रपति निएतो खुद ड्राइव करके पीएम मोदी को एक रेस्टोरेंट लेकर पहुंचे।

सिर्फ एक टिकट से होगा दक्षिण भारत के सभी मंदिरों का दर्शन

इस विशेष ट्रेन में 7 दिन और 6 यात्रा के लिए न्यूनतम 34864 रु. का किराया देना होगा।

नई दिल्ली। तिरूपति बालाजी, रामेश्वरम् सहित दक्षिण भारत के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन करने की योजना बना रहे हैं तो रेलवे की दक्षिण तीर्थ यात्रा ट्रेन आपकी इस यात्रा को यादगार बना सकती है। इस ट्रेन में बुकिंग कराने के बाद ना तो आपको अलग-अलग ट्रेनों में कंफर्म टिकट बुक कराने की चिंता होगी और न ही ठहरने की व्यवस्था करनी होगी। रेलवे स्टेशन से मंदिर तक पहुंचने के लिए भी चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यहां तक कि दर्शन के लिए लंबी कतार में भी खड़ा रहना नहीं होगा, आपके लिए ये सभी काम अब रेलवे करेगा। रेल बजट में सुरेश प्रभु पर्यटन ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी जिस पर अमल शुरू हो गया है। इसी महीने उन्होंने टाइगर एक्सप्रेस को रवाना किया था और अब तीर्थ यात्रियों के लिए भी सेमी लग्जरी ट्रेन चलाने की तैयारी है। इस तरह की पहली ट्रेन दक्षिण भारत के लिए चलेगी।

राज्य सभा चुनाव

राजस्थान में चार सीटों पर भाजपा, देश में 11 सीटें जीतीं

नई दिल्ली। राज्यसभा के लिए हाल ही में हुए 27 सीटों के चुनाव में भाजपा ने सबसे अधिक 11 सीटें जीत लीं। राजस्थान की चारों सीटों पर कब्जा किया। इसके साथ ही उसने सदन में पहली बार 50 का आंकड़ा पार कर लिया। उसकी अब 53 सीटें हो गई हैं। कांग्रेस पहली बार 60 के भीतर सिमट गई है। अब सदन में उसके कुल 59 सदस्य है। सात राज्यों के चुनाव में हरियाणा को छोड़कर कहीं भी उलटफेर नहीं हुआ। यहां दो सीटों पर चुनाव थे। एक सीट पर भाजपा के बिरेंदर सिंह की जीत तय थी। दूसरी सीट के लिये उसने निर्दलीय सुभाष चंद्रा को समर्थन दिया था। कांग्रेस के 14 विधायकों के वोट रद्द हो गये, जिसकी बदौलत चंद्रा जीत गये। उधर, उत्तरप्रदेश में भाजपा कपिल सिब्बल को राज्यसभा पहुंचने से नहीं रोक सकी। राज्य सभा के लिये इस बार कुल 57 सीटें दाव पर थीं। इनमें से 30 पर सर्वसम्मति से सांसद चुने गये। सपा ने 7, कांग्रेस ने 6 और 2 सीटें बसपा ने जीती। प्रदेश में चारों सीटे भाजपा ने जीती।

BIYANI COUNSELING CELL
Are you confused about your Career we are here to help you
Students & Parents are invited for Counseling by
Prof. Sanjay Biyani (FCA, PGDC)
+91-9351162550

अपील

बियानी टाइम्स के जरिये हमारी गत 3 वर्षो से कोशिश है कि पाठकों तक प्रेरणादायक विचारों और पॉजीटिव खबरों को पहुंचाये। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय में कागज की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हो गई है इससे निपटने का एक आसान तरीका बियानी टाइम्स में इस्तेमाल होने वाले कागज की गुणवत्ता को कम करके या फिर पृष्ठ संख्या कम करके हो सकता था। लेकिन पाठकों की रूचि और स्तरीयता को देखकर ऐसा करना ठीक नहीं लगा। अतः 1 जुलाई 2016 से 30 जून 2019 तक के मात्र 250 रु. सब्सक्रिप्शन के साथ ही आगामी अंक का अखबार पाना संभव होगा। हमें विश्वास है कि हमारे पाठक यह जानते है कि बियानी टाइम्स सिर्फ एक अखबार नहीं है उनके जीवन से जुड़े अनमोल पन्ने हैं।

A negative mind will never give you a positive life.
- Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

खबरें फटाफट

प्रदेश

गौरव

जयपुर के अमन बंसल ने जेईई परीक्षा में किया देश में टॉप

जयपुर। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में दाखिला दिलाने वाली प्रवेश परीक्षा जेईई के नतीजे हाल ही में घोषित किये गये। इसमें जयपुर के अमन बंसल ने देश में टॉप किया। अपनी इस कामयाबी के बाद अमन बंसल अब सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनकर ऐसी तकनीक विकसित करना चाहते है जो शिक्षा को ओर अधिक प्रभावी व कारगर बना सकें। अमन शिक्षा को तनावमुक्त बनाने की तकनीक विकसित करने को लेकर विचार कर रहे हैं।

मौसम

रफ्तार सही रही तो 25 जून तक जयपुर में सक्रिय होगा मानसून

जयपुर। शहर में प्री-मानसून ने दस्तक दे दी। पिछले साल रफ्तार धीमी होने के कारण मानसून देरी से आया था। मौसम विभाग के आकलन के अनुसार प्रदेश में मानसून की दस्तक होने के बाद रफ्तार सही रही तो जयपुर तक मानसून पहुंचने में 48 घंटे लगेंगे। एक जुलाई तक पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय हो जाएगा। माना जा रहा है कि मानसून दक्षिणी राजस्थान यानी डूंगरपुर-बांसवाड़ा की सीमा से प्रवेश करेगा। प्रदेश की सीमा में आने के 48 घंटों में मानसून जयपुर तक पहुंच जाएगा। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी राजस्थान में इस हफ्ते फिर से तापमान बढ़ेगा। इस बार देश में खूब बारिश होने की उम्मीद है। सबसे ज्यादा 113 फीसदी बारिश मध्य भारत और दक्षिण के इलाकों में होने का अनुमान है।

नया एप

एप बताएगा घर के बाहर कितना प्रदूषण

अब घर से बाहर निकलने या भीड़ भरे इलाकों में जाने से पहले आप अपने मोबाइल पर प्रदूषण का स्तर जांच सकेंगे। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने इसके लिए नया एप 'राज वायु' तैयार किया है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की तरफ से यह पहला एप होगा। इस एप के जरिए जयपुर और जोधपुर में संचालित मंडल के दो केन्द्रों और उदयपुर में एक केन्द्रीय संस्थान में लगे प्रदूषण संयंत्र के आंकड़े साझा होगें। इन तीनों ही केन्द्रों पर हर पल जांच प्रक्रिया जारी रहती है। इससे प्रदेश में ग्यारह करोड़ की लागत से बनाए जा रहे आठ केन्द्रों से भी प्रदूषण की तत्काल जानकारी मिल सकेगी। इस एप से पीएम-10, पीएम-2.5, कार्बनडाई ऑक्साइड, नाईट्रोजनडाई ऑक्साइड, सल्फरडाई ऑक्साइड और तापमान की जानकारी उपलब्ध रहेगी।

नई पहल

जयपुर की जामा मस्जिद में महिलाओं के लिए नमाज की व्यवस्था

जयपुर की जामा मस्जिद में अब मुस्लिम महिलाएं नमाज अदा कर सकेंगी। जौहरी बाजार स्थित शहर की सबसे बड़ी मस्जिद के सदर नईम कुरैशी ने बताया कि रमजान के दौरान महिलाओं के लिए अलग से नमाज अदा करने की व्यवस्था होगी, इसके लिए अलग से स्थान चिह्नित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जयपुर सहित राजस्थान की अधिकांश मस्जिदों में महिलाओं को नमाज अदा करने की अनुमति नहीं है, महिलाएं अपने घर में ही नमाज अदा करती हैं।

जयपुर की जामा मस्जिद में महिलाओं को नमाज की अनुमति देने के पीछे काफी तादाद में पर्यटक आते हैं।

नसीहत

प्रधानमंत्री ने दी भाजपा कार्यकर्ताओं को 7 'एस' पर काम करने की नसीहत

हाल ही इलाहाबाद में आयोजित भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पीएम मोदी ने कामयाबी के 7 'एस' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ भरोसा जताया है उसे पूरा करने के लिए हमें अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। हम अपने कार्यक्रमों की कामयाबी पर जश्न मना सकते हैं। लेकिन इस एहसास के साथ सबको आगे बढ़ना होगा कि सफलता की कारवां पर हमारी नासमझी कहीं ब्रेक न लगा दे। जनता की उम्मीदें जितनी ज्यादा होती हैं। सत्ता पक्ष के लिए जिम्मेदारी उतनी ही बढ़ जाती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि आज हम जबरदस्त कामयाबी की तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे में बहुत सतर्क रहने की जरुरत है।

पीएम के सात मंत्र - 1. सेवाभाव 2. संतुलन 3. संयम 4. सकारात्मकता 5. समन्वय 6. संवेदना 7. संवाद

मेरे बाबूजी!

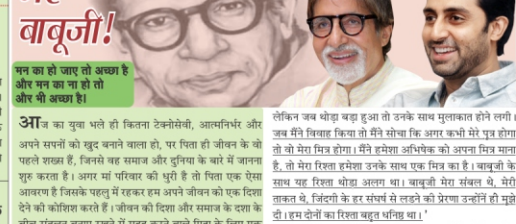

मन का हो जाए तो अच्छा है और मन का ना हो तो और भी अच्छा है।

आज का युवा भले ही कितना टेक्नोसेवी, आत्मनिर्भर और अपने सपनों को खुद बनाने वाला हो, पर पिता ही जीवन के वो पहले शख्स हैं, जिनसे वह समाज और दुनिया के बारे में जानना शुरु करता है। अगर मां परिवार की धुरी है तो पिता एक ऐसा आवरण है जिसके पहलु में रहकर हम अपने जीवन को एक दिशा देने की कोशिश करते हैं। जीवन की दिशा और समाज के दशा के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करने वाले पिता के लिए एक खास दिन मनाना हमारे जीवन में दिए गए उनके योगदान के समतुल्य तो नहीं हो सकता पर बदलते जमाने की संस्कृति ने हमें 'फादर्स डे' के रूप में वो मौका जरूर दिया है, जब हम उनके प्यार, अपनेपन और मदद को महसूस कर उनसे यह तो कह सकें कि आज मैं जो भी हूं या आगे जो भी बनूंगा, वो आपके बिना संभव नहीं था। यूं तो हर पिता-पुत्र का रिश्ता अपने आप में बहुत सारा प्यार, अपनापन, सम्मान लिए होता है। लेकिन हमारे ही समाज की कुछ महान शख्सियतों के बीच यह रिश्ता एक आदर्श स्थापित करता है। इस सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और उनके पिता स्व. हरिवंश राय बच्चन का रिश्ता भी इन्हीं एहसासों का जीवन्त रूप है। अमिताभ बच्चन और उनके पिता के संबंध के कुछ विशेष पहलु इस लेख में संकलित किए गए हैं।

मुश्किल दौर ही आदमी का भविष्य तय करता है, अमिताभ ने भी अपने पिता के संघर्षों को करीब से देखा। अमिताभ बच्चन ने अपने पिता के साथ आदर भाव वाला रिश्ता रखा और जब खुद पिता बने तो अपने बेटे को दोस्त समझा। बतौर बेटा वो अपने पिता का सम्मान करते हैं तो बतौर पिता वो बेटे को दोस्त समझते हैं। 'बाबूजी के साथ थोड़ा सा ठहराव था, भय भी था क्योंकि वो निरंतर अपने कमरे में बैठकर लिखा करते थे। बहुत अनुशासनप्रिय थे और उनसे ज्यादा बातचीत नहीं होती थी, लेकिन जब थोड़ा बड़ा हुआ तो उनके साथ मुलाकात होने लगी। जब मैंने विवाह किया तो मैंने सोचा कि अगर कभी मेरे पुत्र होगा तो वो मेरा मित्र होगा। मैंने हमेशा अभिषेक को अपना मित्र माना है, तो मेरा रिश्ता हमेशा उनके साथ एक मित्र का है। बाबूजी के साथ यह रिश्ता थोड़ा अलग था। बाबूजी मेरा संबल थे, मेरी ताकत थे, जिंदगी के हर संघर्ष से लड़ने की प्रेरणा उन्होंनें ही मुझे दी। हम दोनों का रिश्ता बहुत धनिष्ठ था।'

अमिताभ बच्चन पर उनके पिता की शख्सियत की गहरी छाप है। यूं तो हर आम बेटे की तरह अमिताभ भी दिल खोलकर अपने पिता से ज्यादा बात नहीं कर पाते थे, लेकिन मौके-बेमौके उनसे अपने दिल की बात कहते रहे, अपने ब्लॉग पर अपने बाबूजी को अमिताभ याद करते रहते हैं और उनकी सूचनाओं के दर्शन को हमेशा याद रखते हैं। हाल ही में अमिताभ ने अपने पिता के लिए एक वेबसाइट बनाने की घोषणा की है।

अमिताभ बच्चन के शब्दों में - 'बाबूजी के जीवन दर्शन में मुझे जिंदगी का फलसफा सिखाया। वे कहते थे, **मन का हो जाए तो अच्छा है और मन का ना हो तो और भी अच्छा है।** बस इसी जीवन दर्शन को मैंने अपने जीवन में लगातार ब्रह्म वाक्य की तरह माना है। बाबूजी पर मेरा अटूट विश्वास रहा है।'

अमिताभ बच्चन का मानना है कि 'उन्होंने अनुशासन की सही परिभाषा अपने पिता से सीखी है। अपने पिता की तरह ही वह भी अपने परिवार को पहली प्राथमिकता देते हैं।' अपने पिता का अनुसरण करके अपने परिवार की जिम्मेदारियों को अमिताभ बखूबी निभा सके हैं। अमिताभ का कहना है कि 'मैंनें जिंदगी के हर संघर्ष का सामना अपने पिता को आदर्श मानकर किया। उन परिस्थितियों में वह होते तो क्या करते ? बस, यह सोचकर मैंने हर चुनौती का सामना किया है, करता हूं और करता रहूंगा।'

फ्लावर्स का फैशनेबल अंदाज

फूल सिर्फ आपके घर के गार्डन को ही नहीं निखारते, बल्कि आपकी फैशन स्टेटमेंट को भी एक नया अंदाज दे सकते हैं। दरअसल, इन दिनों फ्लॉवर प्रिंट्स खूब पसंद किये जा रहे हैं। बात चाहे स्कर्ट की हो, कुर्ते की या फिर किसी ड्रेस की, इस स्टाइल में कई अंदाज व डिजाइन्स मिल सकते हैं।

कोई खास मौका हो या कैजुअल इवेंट, फ्लॉवर प्रिंट्स हर मौके पर अच्छे लगते हैं। जहां सेलिब्रिटीज इन्हें तमाम मौकों पर पहन रही हैं। वहीं कॉलेज गोइंग गर्ल्स में भी इनका जबर्दस्त क्रेज दिख रहा है। सीजन के हिसाब से देखें तो गर्मियों व बारिश के मौसम में ये कूल स्टेटमेंट देने वाले हैं और ये पर्सनैलिटी को अच्छी अपील देते हैं। डिजाइनर्स का मानना है कि 'फ्लोरल ड्रेसेज के पॉपुलर होने की अपनी वजह है।' कूल लुक देने के साथ आप इन्हें कई शेप, कलर्स, फैब्रिक्स, कट्स वर्क और एम्ब्रॉयडरी वगैरह में ले सकती हैं।

इन ड्रेसेज में तमाम कलर्स ट्राई किए जा सकते हैं, यही नहीं इन्हें बेल्ट्स और कमरबंद से इन्हें अट्रेक्टिव बनाया जा सकता है। लाइन लुक के लिए फ्लॉवर प्रिंट रेप्रोन को प्लेन ब्लैक टी-शर्ट के साथ मैच कर सकती है। या फिर प्लेन टी-शर्ट को फ्लॉवर प्रिंट वाले एक स्टॉल से मैच करा सकते हैं।

इन ड्रेसेज के साथ एसेसरीज थोड़ी समझदारी से सलेक्ट करनी चाहिए।

फ्लोरल प्रिंट्स की ड्रेसेज सलेक्ट करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे वन पीस ड्रेस में तो ऑवरआल फ्लोरल प्रिंट अच्छा लगता है। लेकिन सलवार-कमीज पहनते टाइम टॉप या बॉटम दोनों में कोई एक ही फ्लोरल प्रिंट में हो तो जंचेगा। यही रूल स्कर्ट-टॉप या जींस टी-शर्ट के पहनावे पर लागू होता है।

आजकल जो फ्लोरल प्रिंट में लेगिंग्स भी खूब पापुलर हो रही है, इसी के साथ फ्लोरल प्रिंट या डिजाइन की एसेसरीज जैसे पर्स, नेकलेस, ईयर रिंग्स, ब्रेसलेट या हेयर एसेसरीज को भी अपनाया जा रहा है।

समर सीजन्स की शादियों में फ्लोरल प्रिंट्स के लहंगे भी एक सॉफ्ट लुक देते हैं। चिलचिलाती गर्मी में आंखों को ठंडक का एहसास करवाने वाली यह प्रिंट इंगेजमेंट या किसी सेरेमनी में रॉयल लुक देती है।

THINK BE POSITIVE

Never give up, Miracles happen everyday
Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

खबरें फटाफट

देश

नए नियम

फ्लाइट कैंसिलेशन पर मिलेगा 3 गुना पैसा

नई दिल्ली। मोदी सरकार विमान यात्रियों को एक बड़ी खुशखबरी देने वाली है। सरकार ने एयरलाइन्स सेवाओं के एक्सेस बैगेज चार्ज कम करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही एयरलाइन कम्पनियों को फ्लाइट कैंसिल होने पर यात्रियों को बेसिक फेयर की तीन गुनी रकम लौटानी होगी। हाल ही में मोदी सरकार की तरफ से ये घोषणाऐं की गयी। नये नियमों में एयरलाइन्स के एक्सेस बैगेज चार्ज को 300 रूपये प्रति किलोग्राम से घटाकर 100 रूपये प्रति किलोग्राम करने का प्रस्ताव रखा है। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के अधिकारी ने बताया कि इस बात को लेकर हमने सभी एयरलाईन्स कम्पनियों से भी बात कर ली है। टेवल विशेषज्ञों ने सरकार के इस नये प्रस्ताव और नीतियों की प्रशंसा की है। कॉक्स एण्ड किंग्स कॉरपोरेट टेवल के हैड जॉन नायर कहते है कि सरकार की ये पहल यात्रियों की सुविधा को बढायेगी। बस ये सभी नियम और नीतियां स्पष्ट होनी चाहिये। नायर कहते है कि किसी भी फ्लाइट के कैंसिल होने की एक बड़ी कीमत यात्रियों को चुकानी पड़ती हैं।

गर्व

विश्व की 100 शक्तिशाली नारियों में भारत की 4 महिलायें शामिल

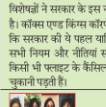

एजेन्सी। फोर्ब्स ने 2016 की दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 100 महिलाओं के नाम हैं जिसमे 4 भारतीय महिलायें भी शामिल है। इसमें भारत से चंदा कोचर, अरूंधति भटाचार्य, किरण मजूमदार शॉ, शोभना भारतीय के नाम है। जर्मनी की चांसलर एंगेला मर्केल नंबर वन पोजीशन पर रही हैं। इस बार लिस्ट में चीन की 9 महिलाओं ने जगह बनाई है। भारतीय मूल की इंदिरा नूई इस सूची में 14 वें पोजीशन पर हैं। जबकि भारत से एसबीआई प्रमुख अरूंधति भटाचार्य को 25वां , आईसीआईसीआई बैंक की चंदा कोचर को 40वां, बायोकॉन लिमिटेड की प्रमुख किरण मजूमदार शॉ को 77वां और शोभना भरतिया को 93वां स्थान प्राप्त हुआ है।

अच्छे दिन

हवाई यात्रियों के आए अच्छे दिन, सिर्फ 2500 रुपये में करें एक घंटे का सफर

अंततः 10 साल बाद देश की नई एविएशन पॉलिसी को मंजूरी मिल गई। कैबिनेट ने हाल ही में इस पर मुहर लगा दी। इसमें छोटी दूरी के हवाई सफर को सस्ता करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है। आधे घंटे की फ्लाइट का अधिकतम किराया 1200 रुपए और एक घंटे की फ्लाइट का 2500 रुपए तय किया गया है। इसमें सभी टैक्स शामिल होंगे। अधिकतम किराए की सीमा बिना रूट्स पर लागू होंगी, इसकी गाइडलाइंस 10 दिन में जारी होगी।

Radhika Thinks...

Thoughts that can change your destiny

1. Be simple and plain grass, because when a strom attacks all big trees are uprooted but it is the simple grass that survives simple yet powerful.
2. Never be sad for missing whatever you expected, but be happy since god made you realize that these expectations were not worth your life.
3. It is easier to protect your feet with slippers than to cover the earth with carpet.
4. 'Face your fear' so that you never have to say, that you "Fear of something".
5. A lamp does not speak, it introduce itself through its light achiever never expose themselves, their achievements expose them.

एक मुलाकात : डॉ. ओमेन्द्र सिंह रत्नू

(ENT Surgeon, MS) RATNU ENT Hospital

(साक्षात्कारकर्ता : अमित वर्मा)

नाक, कान और गले को रखें स्वस्थ

ईएनटी के संक्रमण की शुरूआत सबसे पहले जुखाम से होती है इसलिए जुखाम के शुरूआती स्तर पर पहचान कर इससे बचा जा सकता है। अगर हमारे गले में खराश हो तो हल्के गुन-गुने पानी में नमक डालकर गरारा करना चाहिए, गरारा करने से हमारा रक्त संचार भी अच्छा होता है।

साइनस क्या है एवं इसके लक्षण कौनसे होते है ?

नाक के आस-पास चेहरे की हड्डियों में नम हवा के रिक्त स्थान होते है उन रिक्त स्थानों मे जब पानी भरने लगता है उसे साइनस कहा जाता है। जब नाक में साइनस का संक्रमण फैलने लगता है तो इसका सीधा असर आंखो पर एवं सिर पर महसूस होने लगता है एवं मरीज को थकान महसूस होना, नाक बंद होना, सर्दी के साथ बुखार लगना, चेहरे पर सूजन आना एवं नाक से पीला या हरे रंग का रेशा निकलने लगता है।

साइनसाइटिस क्यों एवं कैसे होता है?

साइनसाइटिस साइनस के अन्दर ही होने वाला संक्रमण है। इस अवस्था में हमारे अंदरूनी सतह में एलर्जी या अन्य किसी कारण से सूजन आ जाये तो साइनसाइटिस की समस्या हो जाती है, यह सूजन बैक्टिरिया या वायरस के संक्रमण से पैदा होती है। इस रोग में नाक के अन्दर की हड्डी बढ़ जाती है या तिरछी हो जाती है जिसके कारण रोगी को श्वास लेने में रूकावट आती है। ऐसे व्यक्ति को जब भी ठण्डी हवा या धूल, धुआं उस नाक की हड्डी पर टकराता है तो वह परेशान हो जाता है एवं बदलते मौसम, जुखाम, एलर्जी, प्रदूषण के कारण संक्रमित हो जाता है।

आज कल युवाओं में बहरेपन की समस्या बढ़ती जा रही है इसके पीछे क्या कारण है ?

ध्वनि प्रदूषण की समस्या तो सामाजिक होती जा रही है एवं इस पर बिल्कुल भी ध्यान नही दिया जा रहा है, आने वाले समय में ध्वनि प्रदूषण विकराल रूप धारण कर लेगा। आज के युवा खुद अपनी श्रवणशक्ति के लिए मुश्किलें खडी कर रहे है। हमारे कानों के अन्दर सूक्ष्म तंत्रिका कोशिकाए होती है जो ध्वनि संकेतो को मस्तिष्क तक पहुंचाती है। 80 डेसिबल से अधिक ध्वनि हमारी तंत्रिका कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है और धीरे-धीरे व्यक्ति बहरेपन का शिकार हो जाता है। मोबाईल फोन व आईपॉड डिस्को साउण्ड की चुम्बकीय तरंगे हमारी तंत्रिका कोशिकाओं को नष्ट करती है। इसलिए हमे इनसे बचना चाहिए।

कान, नाक, गला (ENT) के संक्रमण से बचने के कौनसे उपाय है ?

ईएनटी के संक्रमण की शुरूआत सबसे पहले जुखाम से होती है इसलिए जुखाम के शुरूआती स्तर पर पहचान कर इससे बचा जा सकता है एवं तैराकी के दौरान कान एवं आंख को संक्रमित होने से बचाने के लिए कान में ईयरप्लग एवं चश्मा लगाकर ही तैराकी करनी चाहिए। अगर हमारे गले में खराश हो तो हल्के गुन-गुने पानी में नमक डालकर गरारा करना चाहिए, गरारा करने से हमारा रक्त संचार भी अच्छा होता है। अगर हमारे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है तो लोगो के सम्पर्क में आने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। भीड-भाड़ वाले इलाकों में जाने से परहेज करना चाहिए। मादक पदार्थों के सेवन करने से बचें क्योकि धूमपान व शराब पीने से साइनस का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है।

For Social Media Promotions
CONNECT
Social Media Guru...
9352223103

स्ट्रेप थ्रोट क्या होता है एवं इसके पीछे क्या कारण है?

स्ट्रेप थ्रोट एक तरह से स्ट्रेप जीवाणु से होने वाला गले का संक्रमण है। यह जीवाणु स्ट्रेप से पीड़ित किसी व्यक्ति नाक या गले से गिरने वाली तरल बूंदो से फैलता है। सदी के मौसम में यह काफी तेजी से फैलता है जब लोग एक साथ भीतर रहते है, स्ट्रेप गले से पीड़ित किसी व्यक्ति के साथ 2 से 7 दिनों तक रहने के बाद यह स्वस्थ व्यक्ति को भी प्रभावित कर सकता है। इसमें रोगी को कंपकपी, गले में दर्द, निगलने में कठिनाई होना, गर्दन में सूजन सांस लेने में परेशानी भूख ना लगना, पेट में दर्द एवं उल्टी होना इसके प्रमुख लक्षण है।

बियानी टाइम्स के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

एक समय में अधिक काम करने से बचें, किसी भी तरीके का नशा करने से बचे एवं मोबाईल एवं जितना जरूरी हो उतना ही मोबाइल, कम्प्यूटर का उपयोग करें एवं तनाव मुक्त रहें। नियमित व्यायाम करें एवं इस बात को समझे कि हमारे समाज में अंधो के प्रति संवेदनशील है लेकिन बहरों के प्रति नही। आने वाले समय में ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण से भी ज्यादा खतरनाक होता नजर आ रहा है इसलिए हरी सब्जियों का सेवन करे, ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए, निरंतर व्यायाम करें, हमेशा खुश एवं मुस्कुराते रहिए।

स्वाद, स्वास्थ्य और फलों का राजा आम

आम को कच्चा और पका दोनों रूपों में खा सकते हैं। गर्मी में कैरी का पानी लू से बचाता है। इससे बने आचार, चटनी स्वादिष्ट होने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। इसमें कार्बोहाइडेड, फास्फोरस, विटामिन-ए,बी,सी, पौटेश्यिम, लौह, कैल्शियम, मैग्नीशियम के अलावा 25 प्रकार के कैरोटेनॉयड्स होते हैं, जो शरीर में ऊर्जा के स्तर को बढ़ाते हैं। आम में आयरन और मैग्नीशियम जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह खून की कमी को पूरा करता है। बच्चों के शारीरिक विकास में सहायक है। आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कोलोन, ल्यूकेमिया व प्रोस्टेट कैंसर से बचाते हैं। इसमें क्यूर्सेटिन, फिसेटिन तत्व कैंसर टिश्यूज को बनने से रोकते हैं। आम के पत्ते रक्त में इंसुलिन का स्तर निर्यत्रित कर डायबिटीज से निजात दिला सकते हैं। रात को आम के 4-5 पत्ते थोड़े पानी में उबाल लें। सुबह पत्तों को अच्छी तरह मसलकर पानी छान लें। इसे खाली पेट कुछ दिन तक पीने से फायदा होता है। कैरी आंखों की रोशनी बढ़ाने, टॉक्सिन बाहर निकालने और नसों को लचीला रखने में सहायक है।इसमें शुगर व कैलोरी कम होने के साथ पेक्टिन नामक तत्व होता है जो पथरी नहीं बनने देता। कैरी की फांक को नमक व शहद के साथ मिलाकर खाने से डायरिया, कब्ज, व अपच में भी लाभ मिलता है। आयुर्वेद में आम को धूप के प्रभाव से बचाव के लिए मददगार माना है। कुछ शोधों में भी इसकी पुष्टि हुई है। आम में एक घुलनशील आहार संबंधी फाइबर पेक्टिन पाया जाता है। पेक्टिन ब्लड कॉलेस्ट्रोल लेवल को कम करने में प्रभावी रूप से काम करता है। आम का सेवन करना वजन बढ़ाने का सबसे आसान तरीका है। 150 ग्राम आम में करीब 86 कैलोरी ऊर्जा होती है। जो हमारी शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित कर ली जाती है। आम में पाये जाने वाले एंजाइम्स भोजन को पचाने में मदद करते हैं। जो लोग एनीमिया से ग्रस्त हैं, उनके लिये आम बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमे प्रचूर मात्रा में आयरन पाया जाता है नियमित और पर्याप्त मात्रा में आम का सेवन शरीर में खून की मात्रा को बढ़ा देता है, जिससे एनीमिया जैसी बीमारी दूर रहती है। गर्भवती महिलाओं को आयरन की विशेष जरूरत रहती है, इसलिए उनके लिए आम काफी फायदेमंद होता है।

आयुर्वेद में आम को धूप के प्रभाव से बचाव के लिए मददगार माना है। कुछ शोधों में भी इसकी पुष्टि हुई है। आम में एक घुलनशील आहार संबंधी फाइबर पेक्टिन पाया जाता है। पेक्टिन ब्लड कॉलेस्ट्रोल लेवल को कम करने में प्रभावी रूप से काम करता है।

THINK BE POSITIVE

Be positive, stay happy, don't let the negativity or drama of the world get you down.
- Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

21 जून अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

हैल्दी स्किन व हैल्दी मन का राज ध्यान और योग

आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में लोगों को जहां एक तरफ खुद की खूबसूरती बरकरार रखने की कशमकश में रहना पड़ता है, वहीं घर-परिवार, ऑफिस की टेन्शन के चलते अपने मन को चिंतामुक्त रखने के प्रयास में वह हर उपाय करने को तैयार है। स्वस्थ व्यक्ति वह है जो शारीरिक तौर पर स्वस्थ, मानसिक तौर पर सजग, भावनात्मक तौर पर शांत और आध्यात्मिक तौर पर सजग हो। ऐसे में योग से हैल्दी स्किन और ध्यान से हैल्दी मन पाना सबसे सरल व अचूक उपाय है।

योग में छिपा है हैल्दी स्किन का राज:

योग ऐसा साधन है, जिसे अपनाकर कोई भी व्यक्ति खूबसूरत दिखने के साथ-साथ स्वस्थ भी रह सकता है। रिंकल्स और डार्क सर्कल्स जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिये योग को अपनाना बहुत जरूरी है। योग से हमारे शरीर में मौजूद टॉक्सिन निकल जाते हैं और त्वचा में चमक आती है।

चिन्ता दूर करनी है तो करें मेडिटेशन:

ध्यान या मेडिटेशन स्वास्थ्य लाभ पाने की एक प्राचीन विधि है। मेडिटेशन के कमाल के लाभों के चलते इसका लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या देश और विदेश दोनों में निरन्तर बढ़ती जा रही है।

To know more please visit youtube/sanjaybiyani/mentalstrength

अनमोल वचन

1. जल से तन स्वच्छ होता है पर तन से बड़ा मन होता है और मन सत्य से शुद्ध बनता हैं। मन से बड़ी बुद्धि होती है और बुद्धि ज्ञान से विकसित होती है पर बुद्धि से बड़ी आत्मा होती है और आत्मा स्वाध्याय से पवित्र बनती है।
2. जीभ में हड्डी नही होती, कितने ही लोगों ने इसका गलत उपयोग कर नासिका की हड्डी तुडवा रखी है।
3. गीता का प्रारम्भ होता है धर्म शब्द से और गीता का अन्तिम शब्द है मम्। वस्तुतः यदि हमें हर परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ व्यवहार जानना हो तो गीता का अध्ययन करना होगा।
4. बच्चे वो नहीं करते जो उनके माता-पिता और गुरू कहते हैं बल्कि बच्चे वो करते हैं जो उनके माता-पिता और गुरू करते हैं।

पंचांग

16 जून	निर्जला एकादशी
19 जून	फादर्स डे
20 जून	देवस्नान पूर्णिमा
2 जुलाई	प्रदोष व्रत

गीता माता 5

मोहनदास से महात्मा तक की यात्रा

वैसे तो भगवद् गीता पर टीका बहुत से लोगों ने लिखी है, पर वास्तव में गीता को अपनी नित्य जीवनशैली में पुर्णरूपेण बापू ने जीया है, इसलिए यह प्रासंगिक लगा कि बापू की डायरी के अंश आपके समक्ष रखे जायें। आशा है बापू की डायरी से ली गई यह अंशमाला आपके जीवन में आने वाली प्रत्येक समस्याओं के समाधान के रूप में आपको महसूस होगी

पांचवा अध्याय

अर्जुन कहता है, ''आप ज्ञान को विशेष बतलाते हैं। इससे मैं समझता हूं कि कर्म करने की आवश्यकता नहीं है, सन्यास ही अच्छा है। पर फिर आप कर्म की भी स्तुति करते हैं, तब यह लगता है कि योग ही अच्छा है। इन दोनों में अधिक अच्छा क्या है, यह मुझको निश्चयपूर्वक कहिये। तभी मुझे कुछ शांति मिल सकती है।''

यह सुनकर भगवान् बोले, ''सन्यास अर्थात् ज्ञान और कर्मयोग अर्थात् निष्काम कर्म, ये दोनों अच्छे हैं, पर यदि तुझे चुनाव ही करना है तो मैं कहता हूं कि योग अर्थात् अनासक्तिपूर्वक कर्म अधिक अच्छा है। जो मनुष्य किसी वस्तु या मनुष्य का न द्वेष करता है, न कोई इच्छा रखता है और सुख-दुःख, सर्दी-गर्मी इत्यादि द्वंद्वों से परे रहता है, वह सन्यासी ही है। फिर वह कर्म करता हो या न करता हो। ऐसा मनुष्य सहज में बंधनमुक्त हो जाता है। अज्ञान ज्ञान और योग में भेद करता है, ज्ञानी नहीं। दोनों का परिणाम एक ही होता है, अर्थात् दोनों को एक ही समझता है, क्योंकि शुद्ध ज्ञान वाले की संकल्प भर से कार्यसिद्धि होती है, अर्थात् बाहरी कर्म करने की उसे जरूरत नहीं रहती। जब जनकपुरी जल रही थी तब दूसरों का धर्म था कि जाकर आग बुझायें। जनक के संकल्प से ही उनका आग बुझाने का कर्तव्य पूरा हो रहा था, क्योंकि उनके सेवक उनके अधीन थे।''

> ज्ञान से अपने अज्ञान का नित्य नाश करते जाने वाले के कर्म में नित्य निर्मलता बढ़ती जाती है, संसार की दृष्टि में उसके कर्मों में पूर्णता और पुण्यता होती है। अनासक्त मनुष्य अपने को सबका देनदार मानेगा, सबको उनका लहना चुकावेगा और पूरा न्याय करेगा।
>
> MKGandhi

उत्तरोत्तर निष्काम कर्म करते हुए मनुष्य का संकल्प-बल बढ़ता जाता है और बाहरी कर्म कम होते जाते हैं। कहा जा सकता है कि वास्तव में देखने पर उसे इसका पता भी नहीं चलता। इसके लिए उसका प्रयत्न भी नहीं होता। वह तो सेवा-कार्य में ही डूबा रहता है। उससे उसकी सेवा-शक्ति इतनी अधिक बढ़ जाती है कि उसे सेवा से कोई थकान आती नहीं जान पड़ती। इससे अंत में उसके संकल्प में ही सेवा आ जाती है, वैसे ही वैसे बहुत जोर से गति करती हुई वस्तु स्थिर-सी लगती है। जो मनुष्य अनासक्ति-सहित कर्म करता हुआ शुद्धता प्राप्त करता है, जिसने अपने मन को जीता है, जिसने अपनी इंद्रियों को वश में रखा है, जिसने सब जीवों के साथ अपनी एकता साधी है और सबको अपने समान ही मानता है, वह कर्म करते हुए भी उससे अलग रहता है, अर्थात् बंधन में नहीं पड़ता। ऐसे मनुष्य को बोलने-चालने आदि की क्रियाएं करते हुए भी ऐसा लगता है कि इन क्रियाओं को इंद्रियां अपने धर्मानुसार कर रही हैं। स्वयं वह कुछ नहीं करता। शरीर से आरोग्यवान मनुष्य की क्रियाएं स्वाभाविक होती हैं। उसके जठर आदि अपने-आप काम करते हैं, उनकी ओर उसे ख्याल नहीं दौड़ाना पड़ता, वैसे ही जिसकी आत्मा आरोग्यवान है, उसके लिए कहा जा सकता है कि शरीर में रहते हुए भी स्वयं अलिप्त है, कुछ नहीं करता। इसलिए मनुष्य को चाहिए कि सब कर्म ब्रह्मार्पण करे, ब्रह्म के निमित्त करे।

जिसने कर्म में आसक्ति नहीं रखी, अहंभाव नष्ट कर दिया, फल का त्याग किया, वह जड़ की भांति बरतता है, निमित्तमात्र बना रहता है। भला उसे पाप-पुण्य कैसे छू सकते हैं? इसके विपरीत जो अज्ञान में फंसा है वह हिसाब लगाता है, इतना पुण्य किया, इतना पाप किया और इससे वह नित्य नीचे को गिरता जाता है और अंत में उसके पल्ले पाप ही रह जाता है।

व्रत-उपवास का महत्व क्यों ?

'व्रियते स्वर्ग व्रजंति वा'

हमारे ऋषि-मुनि उपवास के द्वारा ही शरीर, मन एवं आत्मा की शुद्धि करते हुए अलौकिक शक्ति प्राप्त करते थे।

व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षामाप्नोति दक्षिणाम्।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।।

मनुष्य को उन्नत जीवन की योग्यता व्रत से प्राप्त होती है, जिसे दीक्षा कहते हैं, और दीक्षा से श्रद्धा जागती है और श्रद्धा से सत्य की अर्थात् जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति होती है, जो उसका अंतिम निष्कर्ष है। अन्न की मादकता के कारण शरीर में आलस्य आने लगता है, जिससे पूजा-उपासना से उत्पन्न आध्यात्मिक-शक्ति नष्ट होने लगती है। व्रत से हमारा शरीर और मन शुद्ध बनता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और संयम की वृति का भी विकास होता है। आत्मविश्वास हमारी शक्तियों को बढ़ाता है और संयम से शक्तियों का व्यय घटता है। इन्द्रियों, विषय-वासना और मन पर काबू पाने के लिए उपवास एक अचूक साधन माना गया है। जिससे शारीरिक और मानसिक शक्ति तथा आयु बढ़ती है। 'उप' का अर्थ है, समीप और वास का अर्थ है, बैठना। अतः उपवास का अर्थ है, देवता के समीप तन्मयतापूर्वक बैठना।

मौन-व्रत का विशेष महत्व क्यों ?

आध्यात्मिक उन्नति के लिए वाणी का शुद्ध होना परमावश्यक है। मौन से वाणी नियंत्रित एवं शुद्ध होती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से एक व्यक्ति की शारीरिक रूप से आठ घंटे तक श्रम करने में जितनी ऊर्जा व्यय होती है, उसकी अपेक्षा एक घंटे बोलने वाले की ऊर्जा क्षय होती है। दिमागी कार्य करने वाले की दो घंटे में उतनी ऊर्जा क्षय होती है।

अतः आवश्यकता से अधिक बोलने का कुप्रभाव मस्तिष्क व उसके अंगो पर पड़ता है। यही कारण है कि लंबा भाषण देने वाले, भाषण के बीच में गिलास का जल पीते रहते है अथवा पूजा-अनुष्ठान में बोलकर मंत्रजप आदि करने वाले घी का सेवन करते है, ताकि उनका स्वर न फटे या गले न रूंधे आदि।

ऋषि-मुनि या चिंतक मौन रहकर ही मनन-चिंतन करते है। इससे उनकी मानसिक ऊर्जा बढ़ती है। मौन होकर कार्य करने से ज्ञानेंद्रियां व कर्मेंद्रियां एकाग्र होती है और कार्य-सुचारू रूप से होता है। मौनव्रती की वाणी सिद्ध हो जाती है। उसकी वाक्शक्ति इतनी प्रबल हो जाती है कि यदि वह किसी को आशीर्वाद या बद्दुआ दे दे , तो वह तत्काल फलवती होती है।

THINK BE POSITIVE

The Happiness of your life depends upon the quality of your thought......
Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

खबरें फटाफट

विदेश

सम्मान

सिंगापुर में भारतीय लेखिका अदिति और वैज्ञानिक अर्णव सम्मानित

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय लेखिका और भारतवंशी वैज्ञानिक को उल्लेखनीय योगदान के लिये सम्मानित किया गया। अदिति कृष्ण कुमार को उनकी पाण्डुलिपि 'कोडेक्स : द लॉस्ट ट्रेजर ऑफ द इंडस' के लिये स्कोलेस्टिक एशियन बुक अवार्ड से नवाजा गया है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अर्णव डे को स्प्रिंगर थिसिस अवार्ड दिया गया। अदिति को एशियन बुक अवार्ड के रूप में 4.85 लाख रूपये नगद एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। अर्णव डे ने ट्यूमर के विकास को रोकने वाले प्रोटीन ए-20 पर शोध के लिये ट्रांसजैनिक चूहा विकसित किया है।

उद्घाटन

तीन देशो के प्रमुखों ने की यात्रा विश्व की सबसे लंबी रेल सुरंग का हुआ रंगा-रंग उद्घाटन

स्विटजरलैण्ड। विश्व की सबसे लंबी रेल सुरंग का हाल ही में एक रंगारंग कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक उद्घाटन हुआ। इस सुरंग को सात दशक पहले डिजाईन किया गया था। 57 किमी लंबी यह गोट हार्ड बेस सुरंग स्विजरलैण्ड स्थित उरी में मध्य केंटन के ईस्ट फील्ड से शुरू होकर दक्षिण केंटन के बोडियों तक जाती है। 7 दशक पहले बनी इस सुरंग को पहली बार 1947 में स्विस इंजीनियर कार्ल एडवर्ड ग्रुनर ने डिजाइन किया था। इसकी पहली यात्रा के समय इस ट्रेन में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद और इटली के प्रधान मंत्री माटेओ रेंजी भी उपस्थित थे जिनके साथ स्विस अधिकारी भी थे। दिसंबर तक जब इस सुरंग को पूरी तरह से सेवा के लिए खोल दिया जायेगा तो ज्यूरिख से उत्तरी इटली स्थित मिलान तक का सफर मात्र 2 घंटे 40 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

सम्मान

भारतीय मूल के प्रो. भट्टाचार्य को महारानी ने किया सम्मानित

औद्योगिक निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रोफेसर लॉर्ड कुमार भट्टाचार्य प्रतिष्ठित रेजियस प्रोफेसरशिप से महारानी एलिजाबेथ ने सम्मानित किया है।

वारविक यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर भट्टाचार्य ने ब्रिटेन में औद्योगिक विकास के लिए प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर से लेकर प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर तक को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्रिटेन में रेजियस प्रोफेसरशिप का बड़ा महत्व है। यह शाही विशेषाधिकार का मामला है और मंत्री की सलाह पर इसके बारे में अंतिम निर्णय स्वयं महारानी करती हैं।

प्रदर्शनी

न्यूयॉर्क में राजस्थान व पंजाब की कलाकृतियों की प्रदर्शनी

राजस्थान और पंजाब राज दरबारों से संबंधित करीब एक सौ कलाकृतियों की प्रदर्शनी न्यूयॉक के प्रतिष्ठित मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में लगाई गई है। ये कलाकृतियां 16वीं और 19वीं सदी की है। इनमें से ज्यादातर को पहली बार सार्वजनिक किया गया है।

14 जून से शुरु होकर यह प्रदर्शनी पूरे सितंबर महीने तक चलेगी। कलाकृतियों को तीन हिस्सों में बांटकर प्रदर्शित किया गया है। पहले हिस्से में राजपूत और राजस्थान से संबंधित धरोहरें हैं, दूसरे व तीसरे हिस्से में पंजाब से संबंधित कलाकृतियां हैं।

ज्यादातर कलाकृतियां स्टीवन कोसक ने अपने पारिवारिक संग्रह से दी है। ये कलाकृतियां करीब चालीस साल में एकत्र की गई थी।

मुझे हर लड़की में कल्पना नजर आती है : बी.एल.चावला

कल्पना मेरी बेटी थी, कल्पना एक बेहतरीन इंसान थी। उसने भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की लड़कियों को नई दिशा दिखाई है। उसकी सबसे बड़ी खूबी थी, वह 'डाउन टू अर्थ' थी। वह जो भी काम करती थी, उसमें पूरी निष्ठा, दृढ़ता और विश्वास होता था।

बियानी गर्ल्स कॉलेज द्वारा तैयार डॉक्यूमेन्ट्री कल्पना की उड़ान देखने के लिए लॉग ऑन करें : https://youtube/KK5xe5-WFgQ

भारत की ही नहीं पूरे विश्व की शान, प्रसिद्ध नासा वैज्ञानिक कल्पना चावला एक साधारण व्यक्तित्व के स्वभाव की थी। यह कहना है उनके पिता बनारसी लाल चावला का। उन्होंने जयपुर के बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित 10वें कल्पना चावला पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कॉलेज मे असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत कनिका जोशी से हुई बातचीत के कुछ अंश...

1. आप कल्पना को किस रूप में देखते हैं?

कल्पना मेरी बेटी थी, कल्पना एक बेहतरीन इंसान थी। उसने भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की लड़कियों को नई दिशा दिखाई है। उसकी सबसे बड़ी खूबी थी, वह 'डाउन टू अर्थ' थी। वह जो भी काम करती थी, उसमें पूरी निष्ठा, दृढ़ता और विश्वास होता था।

2. आज की टेक्नोफ्रैंडली बच्चों को आप क्या शिक्षा देना चाहते हैं?

टेक्नोलोजी के दौर में बच्चों का अपने परिवार वालों से सम्बन्ध कम होता जा रहा है। टेक्नोलोजी से अपडेट रहना अच्छा है, लेकिन, पूरी तरह उसी पर निर्भर रहना गलत है। आधुनिकता की दौड़ में संस्कारों को नहीं खोना चाहिए।

3. कल्पना चावला में ऐसी क्या खास बात थी, जिससे वह विश्व की महान वैज्ञानिक बनीं?

कल्पना की खास बात उसकी सोच थी, जो उसे औरों से अलग बनाती हैं। वह पूरी पृथ्वी को एक घर की तरह मानकर सभी के लिए कुछ नया करना चाहती थी और उसने किया भी।

5. कल्पना जब पहली बार अंतरिक्ष में गई तो आपके पूरे परिवार को क्या आशा थी?

हम सब बहुत खुश थे, वह अपने साथ तिरंगा लेकर गई थी। पहली बार की उसकी अंतरिक्ष यात्रा सफल रही। जब दूसरी बार गई तो हमारे लिए और उसके लिए आम बात थी। लेकिन तीसरी बार जब वह गई तो पृथ्वी पर उतरने से 16 मिनट पहले जो हादसा हुआ, उसको पूरा विश्व कभी नहीं भूलेगा। मृत्यु के बाद उसके साथी वैज्ञानिकों ने कल्पना को पत्र लिखा कि कुछ दिन बाद हम भी आपसे वहीं मिलेंगे।

6. आप हमारे पाठकों को क्या संदेश देना चाहते है।

सभी के लिए मेरा संदेश यही है कि सभी ईमानदार बनें और सभी के मन में शांति ओर भाईचारे की भावना हो। गर्ल्स को चाहिये वह साइंस स्टडी में अपनी रूचि बढ़ाती जायें, क्योंकि किसी भी मुल्क की तरक्की विज्ञान की तरक्की में निहित है। मुझे हर लड़की में कल्पना नजर आती है।

Key to Unlock your dreams: Aptitude Test

The questions asked in the aptitude tests of Bank, SSC, Railways and IAS are of basic level which demand speed more than deep knowledge. Only short tricks with a little understanding of basics can help us achieve our goals.

Saket Sharma, Career Consultant

These days students have realised the need to be job- ready right upon graduation, so they are exploring different sectors such as banking, defence, administrative services, SSC and other government sectors.

Even private sector provides plethora of opportunities especially in the field of Engineering and Management.

All these jobs demand an entrance exam which tests our aptitude. So it has become essential to prepare for this aptitude test so that by the end of our graduation, we have multiple jobs in our hands to choose from.

The aptitude test consists of various subjects like English, Maths, Reasoning, G.K., Computers, Psychometric test, Science etc.

Sector wise names of aptitude tests are:-

- **Banking-I.B.P.S. Exam for 20 banks, S.B.I. Exam, R.R.B. Exam for rural banks**
- **S.S.C.-C.G.L. and H.S.L. aptitude tests**
- **I.A.S.- CSAT (qualifying) besides other papers**
- **Railways- Railway Recruitment Board conducts various exams.**
- **Defence-N.D.A. and C.D.S**
- **MBA-CAT, MAT, XAT, SNAP, etc.**

The questions asked in the aptitude tests of Bank, SSC, Railways and IAS are of basic level which demand speed more than deep knowledge. Only short tricks with a little understanding of basics can help us achieve our goals.

On the other hand, MBA entrance exams like CAT, GMAT, XAT, CMAT and MAT although a bit difficult give us good career options.

All these sectors provide good pay packages also. Recently S.B.I. has offered a package of up to Rupees 13lacs per annum. Not only financially these jobs provide us opportunities to grow vertically to reach the top most position.

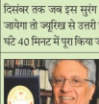

Fortunately, lakhs of candidates are going to be recruited in these sectors (especially bank, SSC, Railway) in next few years due to talent shortage and huge number of retirements happening.

Although the competition is tough, what we need is self-belief and right start at right time.

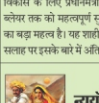

Always remember "Rome was not built in a day". If we remain focused during our graduation and achieve small targets on daily basis, we can compete with the best in the business.

Believe in yourself. You have all the power to achieve anything.

शायरी

जिंदगी तो हल्की-फुल्की सी है ....
बोझ तो ख्वाहिशों का है।

+ + +

तुमने जो किया वो सब हमें मंजूर ...
क्या किया... क्यों किया... ये पूछ लिया तो मोहब्बत कहाँ बची

+ + +

बिकती है ना खुशी कहीं, ना कहीं गम बिकता है
लोग गलतफहमी में हैं कि शायद कहीं मरहम बिकता है...

+ + +

जोक्स

लड़का- रो क्यूं रही हो?
लड़की- मेरे मार्क्स बहुत कम आये हैं।
लड़का- बता कितने आये हैं।
लड़की - सिर्फ 88 प्रतिशत
लड़का- खुदा का खौफ कर इतने में दो लड़के पास हो जाते।

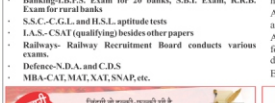

JOBS Alert

Company Name	:	MobileBajaar
Eligibility	:	MBA / BBA
Job Location	:	JAIPUR
Job Position	:	Sales Executive
Package	:	1.5-2.0 LPA
Website	:	www.mobilebajaar.com

Company Name	:	Jainco Refractory Products Pvt. Ltd.
Eligibility	:	B.Com / B.Tech / B.A.
Package	:	10,000 - 13,000 P.M. (negotiable at the time of joining) + additional benefits
Job Location	:	JAIPUR
Job Position	:	Sales Correspondence Mgr.
Website	:	www.jaincoref.com

THINK BE POSITIVE

One kind word can change someone's entire day.
- Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

PRAYER, CONFIDENCE AND CAREER

Dr. Sanjay Biyani

What is prayer and how it is related to confidence?

There is a deep correlation between prayer and confidence. As we all know about Newton's Law which is well accepted universally i.e. whatever we give we will get back the same. (Every action has equal & opposite reaction). Due to this phenomenon everything on the earth is growing and flourishing. Whenever we show faith on someone it enhances our confidence. Therefore, Prayer is a system adopted by all religions, which is actually our psychological faith of realizing one's Karma and after performing the same and leaving its result to god i.e. giving credit to God. In this process we don't bother about results and keep doing our deeds without any expectation. It not only salaries but our mind but also enhances our confidence.

If we wish and pray something related to our career, how it can boost our confidence and how can that confidence be beneficial in leading our life?

It can be best explained through a practical example of 20-20 league matches. Career can also be compared with a cricket match. As when we are on the field and the first ball comes with a failure and so the 2nd, 3rd, 4th and 5th ball, one didn't score something and still is on the field with a determination that will definitely win, then this is called positive thinking. Because one has not ceased the hope, courage to face all defeats and failure and still is enthusiastic to deliver with full efforts. Therefore, such thinking is in true words, is positive thinking. Similarly in career if one keeps an enthusiastic attitude for success then he can be success actually.

BIYANI COUNSELING CELL

• Do you feel stress ?
• Are you confused about your career ?

I Am Here to Help You
Prof. Sanjay Biyani

Call us : 9351162550

Elaborate the difference between wishful thinking & positive thinking?

Wishful thinking means if we start dreaming and aspiring about something. For example, if one starts dreaming that first I will be selected in PMT, then will become a doctor and after that will open my own clinic, this wishful thinking will make an imaginative space and if he has any doubt, he will fail and that happens in wishful thinking. But if instead of wishful thinking one has a practical approach, thinking and concentrates thoroughly on efforts without thinking about the result, then it is called as positive thinking.

In short, we can state that, if we focus on an effort that is positive thinking and if we focus on a result that is wishful thinking, which generates negative thinking which makes us hopeless and often people commit suicide in that case. But focusing on effort, karma and action leads to positive thinking and ultimately to success.

Essential of Public Speaking

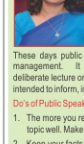

Devika Agarwal
Head-Training, Biyani Group of Colleges

These days public speaking has become an integral part of management. It is the process of delivering structured, deliberate lecture or guidelines to a group of people in a manner intended to inform, influence, or entertain a listening audience.

Do's of Public Speaking:

1. The more you read, the more you understand - research the topic well. Make notes and keep them handy.
2. Keep your facts and figures right – Collect essential data as authenticating your speech with facts and figures not only makes it interesting but more understandable.
3. Use Audio-Visual aids- make PPT or show videos to make the presentation more interesting and engaging.
4. Practice makes the man perfect – Read the prepared material a number of times preferably in front of the mirror so that it gives you more confidence.
5. Be Natural – Deliver the lecture in the form of a conversation with anecdotes so that it sounds natural and interesting to the audience.

Dont's of Public Speaking:

1. Never read Word to Word- Reading literally from the PPT is not a good idea. Make PPT in the form of pointers and then elaborate in your own words.
2. Don't forget to stick to the topic- Never go off the track as it makes the lecture boring and irrelevant.
3. Don't use too many Hand gestures – Too much of non Verbal Communication may be distracting.
4. Dress to impress- Wear formal attire, tie your hair, look comfortable and confident.
5. Don't stand behind the Podium- It is better if you can move around a bit and make the lecture more interactive and personal instead of making it a Lullaby to put the audience to sleep.

Why A Career in Event Management

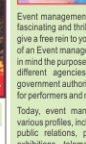

Dr. Smriti Tiwari
Head-Placements, Biyani Group of Colleges

Event management, a form of marketing and advertising, is a fascinating and thrilling field. It gives you ample opportunities to give a free rein to your creative potential. The Core responsibility of an Event managers is to conceptualize an occasion, keeping in mind the purpose of the client, plan the event, co-ordinate with different agencies to organize it, seek permission from government authorities, envisage the stage design and arrange for performers and media promoters for the event, etc.

Today, event management companies have vacancies for various profiles, including marketing, 3-D designing, production, public relations, promotions, brand development, printing, exhibitions, telemarketing, administration, etc.Some of the basic traits required to be a good event planners are sum up:

- Great Interpersonal Skills
- Flexibility
- Creative and Innovative
- Energetic
- Keen Eye for Details
- Good Time Management Skills
- Passionate and Enthusiastic
- Leadership Skills
- Superior Organizational Skills
- Tech Savvy

If you acquire these qualities, it is an indication that you were born to be an event manager. These qualities mean you are tailor-made for this great profession. So, jump into event management with enthusiasm and you'll soon whittle a place for yourself in the industry.

GK QUIZ

Find answers to the following questions in this month's edition of Biyani Times. **First ten all correct entries will win attractive prizes.**

1. Who Clinches Australian Open Title?
   A. Sania Mehwal B. Sania Mirja
   C. Neha Dhupia D. None of these
2. Who won in Rajya Sabha Election 2016?
   A. Congress B. BJP
   C. Samajwadi Party D. None of these
3. Topper of JEE is belong to which city?
   A. Jodhpur B. Udaipur
   C. Jaipur D. Sirohi
4. Which Page has been liked by you in this current edition?
   A. First & Second B. Third & Fourth
   C. Fifth & Sixth D. Seventh & Eight

Please send your feedback about this issue & the reply for the above Questions:
E-mail:biyanitimes@gmail.com
or Send SMS on 8233956940

RUKMANI
Jewellers Pvt. Ltd.

G-66-67, Shiv Shakti Paradise, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur

शब्दकोश

Common Law Terms

Arrest	:	When a person is taken in to the custody by a police officer and charged with a crime.
Judgement	:	A court decision also called a decree on an order.
Dispose	:	Ending a legal case or a judicial proceeding.
Evidence	:	Testimony, documents or objects presented at a trial to prove a fact.
Honor Court	:	A program of outpatient group therapy for alcohol abusers.
Injunction	:	A court order to stop doing or to start doing a specific act.
Minor	:	A person under age 18, the age of legal majority.
Prosecutor	:	Also called the state's attorney. Represents the state in a criminal case against a defendant.

Common Education Terms

Intelligence	:	Intelligence has been defined in many different ways including one's capacity for logic, understanding, awareness, self awareness.
Personality	:	Personality is a set of individual difference that are affected by the socio culture development of an individual.
Instruction	:	A statement that describes how to do something.
Forgetting	:	Forgetting is the apparent loss or modification of information already encoded and stored in an individuals long term memory.
Guidance	:	Help or advice that tells you what to do : the act or process of guiding someone or something.
Attribution	:	Attribution means telling readers where the information in a news story comes from.
Counseling	:	Conseling is the activity of the counselor or a professional who counsels people & give them assistance, advice & guidance especially on personal problems & difficulties.

Don't respect someone for making a promise respect them for keeping it.
- Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

CAMPUS EVENTS @ BIYANI

Career Counseling Seminar

Nursing Farewell (19.05.2016)

IIEMR FEM Award (31.05.2016)

Visit to Apna Ghar NGO (04.06.2016)

World Environment Day (05.06.2016)

Kalpana Chawla Memorial Award-2016 (11.06.2016)

Most of the shadows of this life are caused by over standing in our own sunshine.
- Team Biyani Counseling Cell
Helpline : 9351162550

क्या आप जानते हैं?

प्र. भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील कौनसी है?
चिल्का झील उड़ीसा के समुद्री जल में बनी भारत की सबसे बड़ी और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी समुद्री झील है। यह 70 किमी. लम्बी एवं 30 किमी. चौड़ी है।

प्र. हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति कौन थे?
18 जून 1576 को महाराणा प्रताप के सेनापति हकीम खांन सूर थे।

प्र. कौनसे दिन पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट एवं सबसे दूर होती है।
3 जनवरी को सूर्य के सबसे निकट एवं 4 जुलाई पृथ्वी सूर्य से सबसे दूर होती है।

प्र. विश्व का सबसे ऊंचा रण क्षेत्र कौनसा है?
सियाचीन ग्लेशियर

सायना ने जीता खिताब

शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सायना नेहवाल ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले कुछ समय से चोट से जूझ रही सायना का इस सत्र में पहला जबकि बीते तीन सालों में ऑस्ट्रेलिया में दूसरा खिताब है। विश्वमें आठवें नम्बर की खिलाड़ी सायना ने 7.5 लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में चीन की सुन यू एक घंटे 11 मिनट के संघर्ष में 11-21,21-14,21-19 से हराया। भारतीय बैडमिंटन संघ ने सायना को 10 लाख रूपए के इनाम की घोषणा की है। बाई के अध्यक्ष अखिलेश दास गुप्ता ने कहा, मैं सायना को इस बेहतरीन जीत के लिए बधाई देता हूं। सायना के करियर में यह दूसरी बड़ी कामयाबी है। रियो ओलंपिक से पूर्व यह जीत उन्हें काफी उत्साहित करेगी।

Pure Silver Ornament, Bartan & Gift Articles
22/22 ct Gold & Diamond Ornaments
Maa Jewellers
Galaxy Plaza, Near National Handloom Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Ph.: 0141-2334899, 9829084777

TEAM BIYANI TIMES
परिकल्पना :
• राजीव बियानी
प्रधान सम्पादक
• प्रो. संजय बियानी
टीम
• प्रो. बी.के. जैन
• प्रियंका चतुर्वेदी
• अमित वर्मा
• मालती सक्सेना
• शीनाक्षी ठाकुर
• विशाखा शेखावत
फोटोग्राफी
• दिनेश प्रजापत
डिजाइन
• निलेश शर्मा
• विजय सिंह रावावत
All editions updates are available at
www.biyanitimes.com • For updates like us at facebook/biyanitimes

BIYANI
Where you can trust

BIYANI GROUP OF COLLEGES
Accredited by NAAC - 'A' Grade
Approved by AICTE, INC, BCI, NCTE, Affiliated to RTU, Kota, University of Rajasthan & RUHS, Jaipur

ADMISSION OPEN FOR THE SESSION 2016-17

CAMPUS-I

CAMPUS-II

BIYANI GIRLS COLLEGE
R-4, Sector No. 3, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Phone : 0141-2336226, 2338371

BIYANI CO-ED COLLEGE
Kalwar-Jobner Road, Kalwar, Jaipur
Phone : 0141-2589951-52

BA	BVA	MA	B.Sc.	M.Sc.	B.Com.	B.Com. (Hons.)	BBA	MBA	M.Com.
GNM	B.Sc. Nursing	LL.B.	MJMC	BCA	MCA	M.Sc. IT	BSTC	B.Ed.	M.Ed.

Toll Free : 1800-3000-2611
www.biyanicolleges.org
E-mail : info@biyanicolleges.org
www.facebook.com/biyanigroupofcollege

"I have ample ideas to make you a job provider (owner) instead of becoming a job seeker (employee)" - Prof. Sanjay Biyani
CAREER COUNSELING
by Prof. Sanjay Biyani (FCA, Ph.D, PGDC) at Vidhyadhar Nagar, Jaipur
Students and Parents are invited for Counseling

बियानी टाइम्स
BIYANI TIMES
...जो देता है पॉजिटिविटी, एनर्जी एंड अपडेट
RNI No. : RAJBIL/2003/13325, Post Reg. No. : Jaipur city/170/2013-15

पोस्टेज : प्रत्येक माह की 20 तारीख

स्वामी, मुद्रक और प्रकाशक राजीव बियानी और सम्पादक संजय बियानी के लिए शारदा प्रिन्टर्स, 625, जूनियाल हाउस विद्याधर का रास्ता, जयपुर से मुद्रित और प्लाट नम्बर आर-4, सेक्टर-3, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। फैक्स नं. 0141-2338007, फोन नं. 0141-2336226, 2338371 E-mail : biyanitimes@gmail.com